मोहयाल मित्र

■ *संपादकीय*

कथनी और करनी में अन्तर दूर करना आवश्यक

■ **अशोक लव**

कोई भी समाज पूरी तरह आदर्श की स्थिति में नहीं पहुँच सकता। हमारा मोहयाल समाज भी। कारण है मनुष्य के स्वभाव की विविधता। कथनी और करनी में अन्तर। यथार्थ और आदर्श की भिन्न–भिन्न स्थितियाँ। इसलिए समस्याएँ थीं, हैं और बनी भी रहेंगी। इसके लिए लगातार संघर्ष करते रहना आवश्यक हो जाता है। तभी समय के परिवर्तन के अनुसार हम स्वयं को ढाल सकते हैं।

आज के मोहयाल समाज की सबसे बड़ी समस्या इसके बिखराव के रूप में आ खड़ी हुई है। इसके कई कारण हैं। प्रमुख कारण है बिरादरी के बाहर रिश्ते करने की। जब एक मोहयाल बेटी बिरादरी से बाहर ब्याह दी जाती है तब उस बेटी को हम मानो अपनी बिरादरी से निकाल देते हैं। ऐसी युवतियों से बात करें तो उनकी पीड़ा साफ़ झलकती है। मोहयाल सभाओं की बैठकों में इस समस्या पर चिन्ता प्रकट की जाने लगी है। अन्य स्थानों पर इसकी चर्चा होती है। फिर भी यह समस्या दिन–प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। इस समस्या के निदान के लिए गंभीरतापूर्वक कार्य नहीं किए जा रहे।

मोहयाल युवकों के माता–पिता इस समस्या के समाधान में सबसे अहम् भूमिका निभा सकते हैं। बिरादरी से बाहर की लड़की से अपने लड़के का विवाह करने से एक मोहयाल लड़की का अधिकार छिन जाता है। उसके लिए एक मोहयाल परिवार के दरवाजे बंद हो जाते हैं। इसलिए लड़कों के माता–पिता यदि प्रण कर लें कि वे अपने पुत्रों के विवाह बिरादरी से बाहर नहीं करेंगे तो समस्या सुलझ सकती है। धन, यश आदि के लालच में बिरादरी से बाहर अपने पुत्रों का विवाह करने वाले मोहयालों में मोहयाली भावना भरने की आवश्यकता है।

चौधरी हरनाम दास दत्त जी ने अपने लेख में बिरादरी का ध्यान मोहयाली परम्पराओं के लुप्त होते जाने की ओर दिलाया था। उनकी पीड़ा समझी जा सकती है। मेरे एक सम्बन्धी की बेटी का विवाह होना था। लड़के वाले भी मोहयाल थे। उन्होंने मुझसे पूछा कि विवाह के लिए मोहयालों के क्या नियम हैं? रोका, ठाका, सगन, मिलनी, दहेज आदि के विषय में क्या–क्या निश्चित किया गया है? उनकी बातें सुनकर मुझे हँसी आ गई और फिर अफ़सोस भी हुआ। लोगों को इस बात का पता नहीं है कि मोहयालों के विवाह संबंधी क्या नियम हैं। हमने व्यवहार में ऐसा कहीं देखा नहीं। 'रोके' पर लड़की वालों को मिठाइयों के डिब्बों को भेंट चढ़ाते देखा है, ठाकों पर कारों से मिठाइयों और फलों के टोकरे उतरते देखे हैं, सगन पर विवाह से कम धूमधाम नहीं देखी, मिलनी के नाम पर पन्द्रह से बीस मिलनियाँ कराते मोहयालों को देखा है, दहेज के नाम पर टी.वी., फ्रिज, कारें, गहने, कपड़े, फर्नीचर की घरों में सजी दुकानें देखी है। विवाह के नाम पर मेलों–से भव्य आयोजन देखे हैं। इन्हें देखकर मोहयाली परम्पराओं का ज्ञान कैसे हो सकता है? जनरल मोहयाल सभा या स्थानीय मोहयाली सभाएँ क्या इस स्थिति में है कि वे मोहयालों को पुरानी परंपराओं पर चलने के लिए विवश कर दें? ऐसा संभव नहीं है। संस्थाएँ व्यक्ति बनाते हैं। समाज व्यक्तियों से बनता है। जब तक एक–एक व्यक्ति न चाहे तब तक परम्पराएँ जीवित नहीं रह सकतीं। ये संस्थाएँ तब शक्तिशाली बन सकती है, जब इनके पीछे पूरी बिरादरी संगठित हो। प्रत्येक मोहयाल में मोहयाली भावना भरने की आवश्यकता है। तब कहीं परम्पराओं के निभाने की बात आती है।

बदली हुयी परिस्थितियों में सवा रुपया और गुड़ की ढेली देकर विवाह करना संभव नहीं है। फिर भी कम से कम क्या किया जाए इस पर विचार तो किया जा सकता है? मोहयाला मेलों का अपना महत्व है पर उन्हें मात्र तमाशों के रूप में आयोजित किया जाता है। उनमें मोहयाल भी मेले का आनंद लेने की भावना से जाते हैं। हज़ारों रुपए व्यर्थ चले जाते हैं।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

इन मेलों की क्या उपयोगिता है? इस पर विचार करना चाहिए। इनके माध्यम से बिरादरी में क्रांतिकारी परिवर्तन लाए जा सकते हैं। मेलों में रिश्ते–नातों की व्यवस्था होनी चाहिए। सामूहिक–विवाहों का आयोजन होना चाहिए। अपने परिचित मोहयालों को इन मेलों में लाना चाहिए। मेलों में स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम हों। बिरादरी की समस्याओं पर नाटक मंचित किए जाएँ। युवाओं का मिलन हो। परिचय कराए जाएँ। दहेज–प्रथा विरोधी कार्यक्रम हों।

मोहयालों का बहुत बड़ा वर्ग अभी भी मुख्य धारा से कटा हुआ है। उनके घरों में 'मोहयाल मित्र' नहीं जाता। उन्हें 'जनरल मोहयाल सभा' का नहीं पता। उन्हें स्थानीय मोहयाल सभाओं का नहीं पता। ऐसे हज़ारों मोहयालों में मोहयाली परम्पराओं के प्रति जागृति लाने की आवश्यकता है। इस दिशा में गंभीरतापूर्वक कार्य करना चाहिए। ऐसे कार्यों को प्रमुखता देनी चाहिए। युवाओं से अधिक आशाएँ हैं। छोटे–छोटे स्वार्थों से ऊपर उठकर निःस्वार्थ भाव से मोहयाल समाज की सेवा करने वाले स्वयं–सेवकों को आगे आना चाहिए और इनका कुशल नेतृत्व और दिशा–निर्देश करने वाले समर्पित मोहयालों को भी आगे आना चाहिए। मासिक बैठकों को ठोस विचार–गोष्ठियों का रूप देकर ही लक्ष्यों की ओर बढ़ा जा सकता है। केवल बहसों से कुछ नहीं होगा। कुछ करने का समय आ गया है।

(मोहयाल मित्र मई 1992 के संपादकीय का पुर्नप्रकाशन)

मोहयाल मित्र : सुझाव

'मोहयाल मित्र' जी.एम.एस. कार्यालय नई दिल्ली से प्रत्येक महीने की आखिरी तारीख को 'पीएसओ नई दिल्ली से भेज दी जाती है। हमारा प्रत्येक सभा के प्रधान एवं सचिव से अनुराध है कि वे अपनी सभा के एक प्रतिनिधि को नियुक्त करें जो अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर से प्रत्येक महीने के प्रथम सप्ताह में संपर्क करके वहाँ डाके के आने की जानकारी लेकर एवं जब पोस्ट आफिस में डाक आती है और उसमें 'मोहयाल मित्र का' थैला/बंडल आता है, पोस्टमास्टर से आज्ञा लेकर अपने सामने छंटवाई करवा सकता है, ऐसा करने से हमें आशा है कि सभी सदस्यों को ठीक समय पर 'मोहयाल मित्र' मिल सकेगा एवं पोस्टमैन को भी सहूलियत होगी।

उपरोक्त प्रक्रिया हाल ही में हमने एक–दो मोहयाल सभा से प्रयोग करके देखा है। जिसका परिणाम बहुत संतोषजनक रहा और उस क्षेत्र से हमें 'मोहयाल मित्र' न मिलने की अभी तक एक भी शिकायत नहीं मिली है।

आप भी कृपया ऐसा करके देखें।

शहीद मेजर नितिन बाली की पुण्यतिथि शिद्धत से मनाई गई

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 27 अक्टूबर 2017 को गृहस्थान कुरूक्षेत्र की विभिन्न संस्थाओं द्वारा शहीद मेजर नितिन बाली की पुण्यतिथि बड़ी शिद्धत के साथ मनाई गई।

25 अक्टूबर 2017 को उनके निवास स्थान पर प्रातः हवन करवाया गया। कुष्ठ आश्रम कुरूक्षेत्र में भोजन की व्यवस्था की गई। मेजर नितिन बाली निःशुल्क चिकित्सालय को दवाइयों की राशि दी गई।

26 अक्टूबर 2017 को 'मेजर नितिन बाली गीता निकेतन विद्यालय' में प्रातः हवन और प्रसाद वितरण के पश्चात् सभी विद्यार्थियों को जनता टी.वी. द्वारा नितिन की शहादत पर बनाई गई डाक्यूमैंट्री, 'शहीदों को सलाम' दिखाई गई।

27 अक्टूबर 2017 को राजा अजीत सिंह ट्रस्ट लाडवा द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति 'शौर्य दिवस' मनाया गया, जिसमें हिमाचल के गर्वनर आचार्य देवव्रत जी ने हरियाणा की अन्य कुछ संस्थाओं के प्रतिनिधियों और नगर के गणमान्य व्यक्तियों सहित नितिन बाली को श्रद्धांजलि दी। एन.सी.सी. के कैडेटस, एक्स–सर्विसेस लीग के 25 जवानों और नितिन की यूनिट गुजरात से आए हुए जवानों ने 'शहीद मेजर नितिन बाली मार्टियस मैमोरियल' पर पुष्पचक्र चढ़ाए। सरदार लखविंदर सिंह ग्रेवाल संचालक की अगुआयी में डॉ. आर्दश बाली सहित पाँच शहीद परिवारों को गर्वनर साहब द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियाँ पाने वाले विशिष्ट व्यक्तियों और शहीद उधम सिंह की अस्थियाँ भारत लाने वाले मेजर महिन्दर नाथ को शॉल भेंट किए गए और प्रशस्ति पत्रों से सम्मानित किया गया। तत्पश्चात गर्वनर साहब व अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा मेजर नितिन बाली की उपलब्धियां व शहादर पर प्रकाश डाला गया।

अंबाला मोहयाल सभा के प्रधान श्री जे.पी. मेहता जी के साथ नंगल व चंडीगढ़ से आए कुछ मोहयालों ने इस आयोजन में भाग लिया। कुरूक्षेत्र मोहयाल सभा के सेक्रेटरी श्री महिन्दर बक्शी जी ने दुष्यन्त बक्शी व कुछ अन्य मोहयाल भाइयों के साथ भाग लिया। गर्वनर साहब ने भावीपीढ़ी को, जो स्कूल–कालेजों से वहाँ उपस्थित थे, मेजर नितिन बाली की विशेष उपलब्धियों से प्रेरणा लेने को कहा।

डॉ. आदर्श बाली

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद ने नवंबर 5, 2017 को मोहयाल भवन में 'बाल–दिवस' व 'प्रतिभाशाली विद्यार्थी के सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का प्रारंभ गायत्री मंत्र व मोहयाल प्रार्थना द्वारा किया गया। प्रधान श्री रमेश दत्ता जी जीएमएस से आए पदाधिकारियों श्री अशोक लव जी, श्री ओ.पी. मोहन जी पूर्व उपाध्यक्ष जीएमएस व श्रीमती नीलिमा दत्ता मेहता को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने उपस्थित सभी भाई–बहनों और बच्चों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि आज के दिन 5 नवंबर 1970 को मोहयाल सभा फरीदाबाद की नींव रखी गई थी। जो पौधा हमारे बड़ों ने लगाया था, वह वटवृक्ष का रूप ले चुका है। उन्होंने सभा में उपस्थित फ़ाउंडर सैक्रेटरी श्री मनमोहन जी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद मोहयाल सभा आर्थिक रूप से समक्ष है। इसके पास तीन मंज़िला एयर कंडीशन भवन है जिसमें हम अपनी मासिक बैठक करते हैं व यह हमारी आर्थिक आय का भी प्रमुख साधन हैं। उन्होंने जीएमएस के प्रेसिडेंट, मोहयाल रत्न रायज़ादा बी. डी. बाली, एक्स वाइस प्रेसिडेंट मेहता ओ.पी. मोहन तथा फरीदाबाद के सभी भाई बहनों का धन्यवाद किया जिनके सहयोग से ही मोहयाल भवन का यह सपना साकार हो सका। श्री रमेश दत्ता जी ने बताया कि फरीदाबाद मोहयाल सभा विधवाओं को अपनी ओर से भी पेंशन देती हैं और मोहयाल लड़कियों के विवाह पर 5100 का शगुन भी दिया जाता है।

उन्होंने जीएमएस प्रेसिडेंट रायज़ादा बी.डी. बाली की दिली इच्छा बताई कि प्रत्येक मोहयाल बालक–बालिका उच्च शिक्षा ले। इसके लिए जीएमएस आर्थिक रूप से मदद करेगी। उन्होंने सभी के निरन्तर सहयोग के लिए धन्यवाद किया तथा भविष्य में भी सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने सभी को बताया कि हर माह के पहले रविवार को भवन में बैठक होती है व सभी से अनुरोध किया कि वह सपरिवार बैठक में ज़रूर आए।

श्री ओ.पी. मोहन जी ने मोहयाल सभा फरीदाबाद को 'बाल–दिवस' व 'प्रतिभाशाली सम्मान समारोह' मनाने के लिए बधाई दी, उन्होंने सभी अभिभावकों से आग्रह किया कि वह अपने बच्चों को अवश्य साथ लेकर आएँ ताकि उन्हें भी अपनी बिरादरी के बारे में पता चले। श्री अशोक लव जी ने, प्रधान रमेश दत्ता जी को बधाई देते हुए फरीदाबाद मोहयाल मोहयाल सभा को मजबूत करने का श्रेय दिया, उन्होंने इस मौके पर अपनी लिखित संक्षिप्त रामायण की दस प्रतियाँ भी भेंट की।

इसके उपरांत बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने गीत, व कविता गाकर व नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। सभी ने ज़ोरदार तालियों से बच्चों का उत्साह वर्धन किया। श्रीमती बाला बाली, श्रीमती गायत्री छिब्बर, श्रीमती मनु वैद, श्रीमती किम्मी दत्ता, श्रीमती नागेंद्र दत्ता व श्री इन्दर बाली ने भजन गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पश्चात माननीय अतिथि श्री ओ.पी. मोहन व श्री अशोक लव ने सभी बच्चों को पुरस्कार भेंट किए। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कार के साथ–साथ श्री अशोक लव जी द्वारा लिखित रामायण भेंट स्वरूप दी।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने जी.एम.एस. आए हुए सम्मानित पदाधिकारियों श्री ओ.पी. मोहन जी, श्री अशोक लव जी, व श्रीमती नीलिमा दत्ता मेहता जी का अपनी व फरीदाबाद मोहयाल सभा के सभी भाई बहनों की तरफ से हार्दिक धन्यवाद किया, व अपनी सभा के सभी पदाधिकारियों विशेषकर विनय बक्शी जी, मिथलेश दत्ता जी, नागेन्द्र दत्ता जी, प्रमोद दत्ता जी व मोना बक्शी जी का धन्यवाद किया।

अन्त में मोहयाल सभा फरीदाबाद ने नवंबर 5, 2017 को मोहयाल भवन में बालदिवस व प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सम्मान हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का प्रारंभ गायत्री मंत्र व मोहयाल प्रार्थना द्वारा किया गया। प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने जीएमएस से आए हुए पदाधिकारियों श्री अशोक लव, श्री ओ.पी. मोहन जी ने मन मोह लिया।

सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया, और प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने सभी का धन्यवाद करते हुए बताया कि अगले माह की मीटिंग 3 दिसंबर को भवन में की जाएगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान*
मो. 9212557095

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव*
मो. 9899068573

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

आगरा

मोहयाल सभा आगरा की मासिक बैठक 05.11.2017 को श्री प्रवीन दत्ता जी कोषाध्यक्ष मोहयाल सभा आगरा के निवास 97, ताजनगरी फेस–1, आगरा में श्री कामरान दत्ता (संयोजक) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें 15 भाई–बहनों ने भाग लिया। सर्वप्रथम मोहयाल प्रार्थना, गायत्री मंत्र के उच्चारणों सहित बहुत ही खुशहाल माहौल में हुई। श्रीमती निष्ठा दत्ता व बेबी समाया जो विशेष रूप से गुरूग्राम से इस बैठक में सम्मिलत होने के लिए आए जिसका सभी सदस्यों ने स्वागत किया। श्री मोहन लाल शर्मा जी न हर बार की तरह से अपनी ज्ञानवर्धक बातों से मोहयालों व ब्राह्मणों के इतिहास का सविस्तार वर्णन किया। उन्होंने विशेष रूप से प्राचीन इतिहास ऋषि–मुनियों आदि का मोहयालों से सम्बन्धित अपने विचारों से सबको अवगत कराया। श्री राजेश दत्ता जी ने पोरस धारावाहिक के विषय में सबको बताया कि वह हमारे पूर्वज महाराजा पोरस के जीवन पर आधारित हैं। इस धारावाहिक को सभी अवश्य देखें और अपने पूर्वजों के इतिहास को जाने।

राजेश दत्ता, श्रीमती मधु दत्ता, श्रीमती सुमन दत्ता, ममता दत्ता, अम्बा दत्ता, पूजा दत्ता, शिल्पी दत्ता, योग्यता दत्ता, श्री अंजान, अमित, धीरज, प्रतीक, कृष्णा, पीहु, आन्या द्वारा अपने–अपने अनुभवों द्वारा समाज को अपना पूर्ण सहयोग देने हेतु अपने–अपने सुझाव दिए। प्रवीन दत्ता जी ने अपनी पौत्री समाया दत्ता के आगरा आगमन पर 500 रुपए मोहयाल सभा आगरा को समाया के पहली मोहयाल बैठक में सम्मिलित होने पर दिए। सभा ने इसका स्वागत किया। बैठक के अन्त में श्री कामरान दत्ता द्वारा प्रवीन दत्ता जी, श्रीमती अम्बा दत्ता जी, निष्ठा दत्ता, प्रतीक दत्ता सभी को आज की बैठक को सुचारू रूप से चलाने हेतु सहयोग देने पर धन्यवाद दिया।

कामरान दत्ता जी व अन्य सभी उपस्थित सज्जनों द्वारा श्री ए.वी. मोहन के पुत्र कर्नल अंकुर मोहन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। आगरा के समस्त परिवारों को एक फार्म द्वारा नाम पता आयु मोबाइल नं. आदि से भरकर देने का आग्रह किया जिससे आगरा मोहयाल सभा की डायरेक्टरी प्रकाशित की जा सके। ये कार्य शीघ्र अति शीघ्र करने का अनुरोध किया। सभा के अन्त में हर बार की तरह जय मोहयाल के उद्घोषों के साथ सभा सम्पन्न हुई।

एस.पी. दत्ता, *सचिव*
मो. 9897455755

यमुनापार-दिल्ली

मोहयाल सभा यमुनापार दिल्ली की मासिक बैठक 5 नवंबर 2017 को प्रधान श्री सतीश बाली जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन (झील–कुरंजा) में संपन्न हुई। 25 सदस्यों ने कार्यवाही में हिस्सा लिया।

मोहयाल–प्रार्थना के उपरान्त सेक्रेटरी ने पिछले माह की कार्यवाही के मिनटस पढ़ कर सुनाये। सभी सदस्यों ने एकमत से अनुमोदन किया।

सभा का पैन–कार्ड बन गया है इसकी सूचना दी गई।

सभा 21 जनवरी को मोहयाल–मिलन (मेला) करने जा रही है, उसके लिए आयोजन–स्थल (कम्युनिटी सेंटर, 10 ब्लॉक गीता कालोनी) बुक करवा लिया गया है। सभी ने हर्ष ध्वनि से स्वागत किया।

मेले पर विस्तार से दो घंटे लम्बी चर्चा हुई जिसमें मुख्य उपप्रधान विनोद बाली जी, उपप्रधान श्याम सुंदर मोहन जी, राजिन्द्र वैद जी, सेक्रेटरी श्री सी.पी. दत्ता जी, धनेश दत्ता, विकास बख्शी, एम.एम. वैद, गुलशन बख्शी (छिब्बर), राजिन्द्र बक्शी जी, संजय दत्ता, मुकेश मेहता (मोहन) और कुलभूषण छिब्बर जी ने विभिन्न विषयों पर अपने–अपने उपयोगी सुझाव प्रधान जी समक्ष रखे, जिनका प्रधान जी ने स्वागत किया।

प्रधान जी ने सूचित किया कि सभा की मैनेजिंग कमेटी ने जी. एम.एस को मेले सम्बंधित जानकारी दी है और उनकी स्वीकृति प्राप्त कर ली है। मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी मुख्य अतिथि होंगे और बाकी कार्यक्रम की सूचना निमन्त्रण पत्र द्वारा सभी सदस्यों को दी जाएगी। सभी मिलकर सकारात्मक सहयोग करें। इस समाजिक–पर्व को सफल बनाने में सहयोग दें।

संजय दत्ता जी ने 1100 रुपए नगद दे कर मेला फंड की शुरुआत की, अन्य सदस्यों ने भी अपनी धन राशि लिखवाई, जिसकी पूरी डीटेल आने वाली बैठकों में प्रकाशित की जाएगी।

विनोद बाली जी (मुख्य उपप्रधान), सतीश बाली जी (प्रधान), संजीव बाली, राजिन्द्र वैद, श्री दलीप सिंह दत्ता जी इस माह के प्रमुख दानकर्ता रहे।

मोहयाल सभा यमुनापार की मासिक बैठक प्रधान श्री सतीश बाली जी अध्यक्षता में मोहयाल भवन प्रांगण में सम्पन्न हुई, 22 सदस्यों ने बैठक में हिस्सा लिया। सर्वप्रथम मोहयाल प्रार्थना का पाठन किया गया। सैक्रेटरी ने पिछले माह की रिपोर्ट को पढ़ा और सभी ने एकमत से मिनट्स को पारित किया। सेक्रेटरी ने एक बार फिर से पिछले माह पेश की तिमाही एकांउट रिपोर्ट को पढ़ा और सदस्यों से उनकी किसी भी शंका के बारे जानने का अनुरोध किया, सभी ने एकमत से सभा के कार्यों की पारदर्शिता की सराहना की।

पिछले काफी समय से जो निरंतर चर्चा में है वह है मोहयाल सभा यमुनापार का ''मोहयाल मिलन'' प्रधान सतीश बाली जी ने सदस्यों को बताया की सदस्यों और वयोवृद्ध सदस्यों की सलाह के मुद्देनजर सभा जनवरी ने माह में मोहयाल मिलन का आयोजन करना चाह रही है, जिसके लिए सबसे पहले

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जनरल मोहयाल सभा से और खास तौर पर मोहयाल रतन रायज़ादा बी.डी. बाली जी से उनकी उपलब्धता पर चर्चा के उपरान्त ही तिथि की घोषणा की जाएगी, आयोजन स्थल और अन्य कार्यक्रमों की रूपरेखा जीएमएस से सहमति के उपरांत निश्चित कर ली जाएगी।

राजिन्द्र बख्शी जी ने बताया कि सभा ने 10 वर्ष पूर्व मोहयाल मेला आयोजित किया था अब सही समय है इसके आयोजन का सभा सदस्यों का आपसी मिलन समाज के लिए हितकर होगा।

उपस्थित सदस्यों ने सुझाव दिया की श्री एम.एम. वैद जी को सभा का नया ऑडिटर बनाया जाए, बाकी मैनेजिंग कमेटी सदस्यों से बातचीत कर इस विषय पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सभा के वरिष्ठ सदस्य और सहसचिव श्री सी.पी. दत्ता जी ने सभा यमुनापार, दिल्ली के प्रधान श्री सतीश बाली जी को मनी–प्लांट लगा एक गुलदान भेंट किया।

मुख्य उप–प्रधान श्री विनोद बाली जी, यूनीक बैंड (माननीय मेहता इन्दर मोहन लौ), श्री राजिन्द्र वैद जी, प्रधान सतीश बाली जी, श्री दलीप सिंह दत्ता जी प्रमुख दानकर्त्ता रहे।

अंत में सभी ने चाय–पान किया और प्रधान जी ने सभी को धन्यवाद किया।

सतीश बाली, *प्रधान* — *मो. 9211741150*

संजीव बाली (बंटी), *सचिव* — *मो. 9811758418*

स्त्री मोहयाल सभा

स्त्री मोहयाल सभा की मासिक मीटिंग श्रीमती आरती के निवास स्थान पर 5.10.2017 को हुई। मीटिंग में सभी बहनों ने भाग लिया, मीटिंग की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की गायत्री मंत्र के साथ मीटिंग की कार्यवाही शुरू हुई।

मीटिंग में 85 प्रतिशत आने वाले विद्यार्थीयों के फार्म भरे गए, सभी बहनों ने दीवाली की शुभकामनाएँ दी। सभी बहनों ने रायज़ादा बी.डी. बाली और जीएमएस के सभी सदस्यों को दीवाली की शुभकामनाएँ भेजी।

श्रीमती कमला दत्ता, श्रीमती निशा मोहन, श्रीमती संगीता दत्ता, श्रीमती प्रेमदत्ता और श्रीमती प्रवीण बाली ने अपने–अपने विचार रखे। सबको दीपावली की शुभकामनाएं।

शांति पाठ के साथ सभा की कार्यवाही समाप्त हुई।

स्त्री सभा यमुनानगर की मासिक बैठक श्रीमती आरती जी के निवास स्थान पर हुई। सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की। गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ सभा की कार्यवाही शुरू हुई।

सभा में सभी बहनों ने आपस में विचार–विमर्श किया। सभा में बहनों ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों (जिन्हें जीएमएस ने सम्मानित किया) बधाई दी।

श्रीमती भगीरथी बाली, श्रीमती तारारानी वैद, श्रीमती संगीता दत्ता, श्रीमती प्रेम दत्ता और श्रीमती बाला मेहता जी ने विचार रखे।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

श्रीमती प्रवीण बाली, *सेक्रेटरी*
फोनः 01732 226799

नजफगढ़–नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक दिनांक 5.11.2017 को प्रधान श्री शेर जंग बाली की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान (दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली 110043) में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 14 भाई–बहनों ने भाग लिया सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

मोहयाल सभा नजफगढ़ की अगली मीटिंग दिनांक 3.12.17 को श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान (दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली) में प्रातः 10 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध है। सभी सदस्यों ने बढ़िया जलपान के लिए श्री हर्ष दत्ता को धन्यवाद दिया और सभा समाप्त हुई।

शेर जंग बाली, *प्रधान* — *मो. 9871756765*

हर्ष दत्ता, *सचिव* — *मो. 9312174583*

जगाधरी वर्कशॉप

मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशॉप की मासिक बैठक 5 नवंबर को उपाध्यक्ष मेहता नरेश कुमार लौ के निवास स्थान पर मोहयाल प्रार्थना के साथ शुरु हुई, जिसमें 30 सदस्यों ने भाग लिया। नरेश मेहता जी ने 250 रु. सभा को भेंट किए। बाद में 3 बजे राधे–राधे सत्संग की शुरुआत हुई, जिसका सभी सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया।

शोक समाचारः रघुनाथ पुरी निवासी अशोक कुमार दत्ता के निधन पर शोक प्रकट किया गया दो माह पहले ही उनके पुत्र संजय दत्त की भी मृत्यु हो गई थी। के.सी. बाली की मदर–इन–लॉ की मृत्यु पर भी शोक प्रकट किया गया परिवार ने सभा को सौ रुपए की राशि भेंट की।

सुरेंद्र मेहता छिब्बर, *महासचिव*
मो. 9355310880

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक 05.11.2017 को सभा के प्रधान स. हरदीप सिंह वैद जी के निवास स्थान पर गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाली प्रार्थना के बाद सम्पन्न हुई। सभा के वित्त–सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता जी ने पिछले महिने की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिसका सभी ने अनुमोदन किया।

सभा के प्रधान स. हरदीप सिंह वैद जी का पिछले कुछ दिनों एक्सीडेंट हो गया था, जिसकी वजह से उन्हें चोटें आईं। भगवान से प्रार्थना है कि उन्हें शीघ्र अति शीघ्र स्वास्थ्य प्रदान करें व ठीक करें।

अन्त में सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने जलपान के लिए स. हरदीप सिंह वैद परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *महासचिव*
मो. 9466213488

महिला मोहयाल सभा

महिला मोहयाल सभा देहरादून की मासिक बैठक 12.11.2017 को प्रधान श्रीमती सविता मेहता जी की अध्यक्षता में श्रीमती रीता मेहता जी के निवास स्थान पर हुई। प्रार्थना और गायत्री मंत्र के साथ सभा की शुरुआत हुई। प्रतिभाशाली बच्चों के माता–पिता को बहुत सारी बधाईयाँ दीं और आगे भी इसी तरह प्रगति करते रहें, ये दुआएँ दीं। सभी ने खेल खेले और कुछ ज़रूरी बातें भी की। आने वाले समय में और क्या कुछ नया करें इस विषय में बातें की।

फिर अंत में सभी ने स्वादिष्ट जलपान का आनंद लिया व श्रीमती रीता मेहता जी का धन्यवाद किया।

श्रीमती अर्चना दत्ता, *सचिव*
मो. 8755398813

अंबाला कैंट

मोहयाल सभा अंबाला कैंट की मासिक बैठक 15.10.2017 को शाम चार बजे आर–28, महेश नगर निवास स्थान श्री एम.एल. दत्ता पर हुई, जिसकी अध्यक्षता एचएफओ एम.एल. दत्ता जी ने की।

मोहयाल प्रार्थना के बाद सबसे पहले स्व. कुलदीप मेहता छिब्बर निवासी 8 दिनेश नगर अंबाला कैंट की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई। उनका देहांत 26.09.2017 को तथा रस्म–पगड़ी 6.10.2017 को बब्याल बाबा बालक नाथ मंदिर पर हुई, जिसमें सब मोहयाल भाई बहनों दूर दूर से आए रिश्तेदारों व लोकल/स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर मेहता परिवार ने लोकल सभा तथा जी.एम.एस. को 500 रु. प्रत्येक को विधवा फंड के लिए दान किए।

पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। बैठक में सदस्यों को सूचित किया गया कि मोहयाल मित्र अक्टूबर 2017 के अंतिम पृष्ठ पर छपा हुआ नया मोहयाल गणना फार्म दिए गए निर्देशों सहित सब मोहयाल परिवार भर कर लोकल सभा प्रेजीडेंट/सेक्रेटरी को वापिस कर दें ताकि समय पर जीएमएस आफिस दिल्ली भेज सके।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान समारोह 2017 जो जी.एम.एस. द्वारा 22 अक्टूबर 17 को मनाया जा रहा है की भी जानकारी दी। प्रधान जी ने मोहयाल सदस्यों से आग्रह किया कि मीटिंग में मोहयाल भाई–बहनों की अधिक से अधिक उपस्थिति होनी चाहिए, ताकि एक दूसरे के दुःख–सुख की जानकारी इस माध्यम से मिलती है क्योंकि प्रायः देखा गया है कि बिरादरी में भी एक दूसरे का हाल चाल पूछने का रिवाज़ खत्म होता जा रहा है।

दान राशिः श्री एम.एल. दत्ता, श्री डी.वी. बाली तथा श्री धर्मेंद्र वैद 500 रु. प्रत्येक ने लोकल सभा को दिए। दीवाली की शुभकामनाओं व जय मोहयाल के नारों के साथ मीटिंग समाप्त हुई।

नरेश वैद, *प्रधान*
मो. 9416754889

एचएफओ एम.एल. दत्ता, *महासचिव*
मो. 9896102843

अलवर

मैं राजेश कुमार दत्ता जिला अलवर सेक्रेटरी हमारे प्रिय राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.डी. बाली साहब से अनुरोध करता हूँ एवं

गुजारिश करता हूँ हमारी अलवर सभा का गठन 9.10.2017 को ट्रांसपोर्ट नगर गिरिराज बाली जी के घर के सामने पेंट शामियाना लगा कर अलवर में दिल्ली से आए हुए पर्यवेक्षक सर्वश्री जे.पी. मेहता, योगेश मेहता, विपिन मोहन एवं ऋत मोहन की उपस्थिति में अलवर मोहयाल बिरादरी के द्वारा अध्यक्ष श्री राजीव बख्शी एवं जिला जनरल सेक्रेटरी राजेश कुमार दत्त और कोषाध्यक्ष श्री गिरिराज बाली जी पुरुष यूथ विंग से श्री गौरव मोहन महिला यूथ विंग से आकांक्षा बाली पुत्री श्री दलजीत बाली सर्वसम्मति से बिरादरी द्वारा नियुक्त किया गया है।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

आगे कार्यकारिणी का विस्तार जल्द ही कर दिया जाएगा। मेहमान और मेजबान दोनों ने मिलकर एक साथ चाय नाश्ता एवं लंच लिया। लगभग अलवर की संपूर्ण बिरादरी मौजूद रही। इस मीटिंग में मेहमान पर्यवेक्षक का फूल माला एवं साफा बांधकर स्वागत किया गया।

जिन्होनें बिरादरी के सामने अपने–अपने विचार रखे बिरादरी को एकजुट रहने का आह्वान किया। जरूरतमंद के लिए आर्थिक सहायता देने के लिए कहा गया उसी दौरान बिरादरी के मेजबान श्री रोशनलाल बख्शी, श्री रविंद्र बाली जी, श्री चंद्रमोहन वैद, श्री राजेश कुमार दत्ता, श्री राजीव बक्शी सरपंच, श्री देवेंद्र दत्ता, श्री दलजीत बाली, श्री राजकुमार बक्शी, श्री विजय दत्ता, श्री गिरिराज बाली इत्यादि बिरादरी के लोगों ने अपने अपने विचार रखे साथ ही बिरादरी को संगठित रहने के लिए कहा गया।

धन्यवाद, ***राजेश दत्ता***

श्री नन्दकिशोर मेहता जी की नौवीं पुण्यतिथि

'बाऊ जी' इतने साल बीत जाने पर भी हमें लगता ही नहीं कि आप हमारे बीच में नहीं हो, समय की गति कितनी तीव्र होती है। यूँ तो हर घर में माँ ही बच्चों के करीब होती है, पर पिता के प्रेम के मायने ही अलग होते हैं। पिता उस वट वृक्ष की भूमिका निभाते नज़र आते हैं जिस की छाँव में नन्हें पौधे पनपते है।

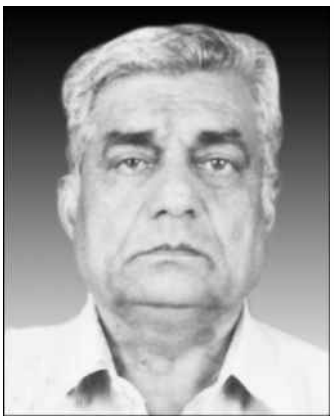

हमारे बाऊजी के व्यक्तित्व में संपूर्णता के लिए अध्यात्मिकता से बढ़कर कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं था। वह कहा करते थे– ''सबके दुःख दर्द बांटना या यह देखना जरूरी है, कि आप दूसरों की जिंदगी में कितना उजाला भर सकते हैं''!

किसी की भी गलती को माफ करना उनके स्वभाव में शामिल था।

आप हमारे चिंतन में होते हो तभी तो हमारे करीब हो भले ही वास्तविकता में बहुत दूर हो! 'बाऊ जी' ने उन्हें भी गले लगाया जिन्होंने कभी उनका साथ नहीं दिया और न ही कदर की। दूसरों की नफरत पाकर भी अपना वजूद नहीं खोया।

जिंदगी कभी भी इतनी आसान नहीं थी पर वो हमेशा कहा करते थे। ''मेरा वाहिगुरू बड़ा डाढा है'' मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। वक्त और खुदा सदा उन पर मेहरबान नहीं थे। फिर भी अपने जिगर व अपने बेटे के दम पर वह जिंदादिल थे।

'बाऊ जी' आपकी 'लाडली' बेटी भी अब अकेली व अधूरी हो गई है। आप क्या गए धीरे–धीरे कई रिश्ते हम से दूर हो गए।

सदा हम सब की यादों में बसने वाले– हमारे ''बाऊ जी''

आपकी यादों में–आपकी बेटी

सुनीता दत्ता

नारायणबलि श्राद्ध पूजा

मृत्यु के समय तीव्र वासना होने के कारण जीवात्मा पैशाच योनि में प्रवेश करते हैं। वासना तृप्ति के लिए पितृ लोक में कुछ समय के लिए रुकते हैं। बाद में ये अपनी अगली यात्रा पर निकल जाते हैं।

हिन्दू धर्म में 66 दुर्मरण के प्रकार कहे गए हैं। मृत्यु का कारण आत्महत्या, खून, अपघात या अकाल मृत्यु हो जाने से आत्मा पैशाच योनि में प्रवेश करता हैं। इसी कारण उस व्यक्ति की आत्मा वासना क्षय होने तक पैशाच योनि में रहती हैं। बाद में परलोक यात्रा करती है। नारायणबलि पूजा इन्हीं अतृप्त आत्माओं के मोक्ष के लिए की जाती हैं। अपने कुल में कोई भी स्त्री या पुरुष अतृप्त होते हैं तो उनकी सद्गति या मुक्ति के लिए पितृदोष (नारायणबलि, नागबलि या त्रिपिंडी श्राद्ध) की पूजा की जाती है।

परिवार में जब शारीरिक स्थिति ठीक–ठाक होते हुए भी वंश वृद्धि में रुकावट, बिना वजह, शारीरिक कष्ट, मन की इच्छा पूरी न होना, रुकावट होना। अतृप्त आत्माओं के कारण होते हैं।

नारायणबलि द्वारा अधिकतर आत्माओं को मोक्ष की प्राप्ति होती है। नारायणबलि कर्म में कश्यप गोत्र और नारायण नाम अतृप्त आत्मा को देकर पूरा किया जाता हैं। इस कर्म में किसी यजमान का गोत्र या प्रत्यक्ष व्यक्ति के नाम का उच्चारण नहीं किया जाता है। अपने पूर्वजों का उद्धार करके उनके प्रति अपना आभार प्रकट करने का एक साधन है।

इससे घर में सभी प्रकार की सुख समृद्धि का फल मिलता है। परिवार शुभ कार्य सम्पन्न होते हैं। सभी प्रकार के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक लाभ होते हैं।

विरेन्द्र कुमार छिब्बर, *ज्योतिष आचार्य*
EA-94 इन्द्रपुरी नई दिल्ली 110012 मो. 9818094655

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor